भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3303

23 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्र

3303. श्री चन्दन सिंह:

श्री अजय निषाद:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में इस्पात संयंत्रों की राज्य-वार संख्या कितनी है;

(ख) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक के दौरान इस्पात के उत्पादन के संबंध में लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) कितने इस्पात संयंत्र कार्य कर रहे हैं और लाभ अर्जित कर रहे हैं;

(ङ) क्या कुछ इस्पात संयंत्रों को बंद कर दिया गया है या उन्हें रुग्ण घोषित कर दिया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(च) उक्त संयंत्रों के पुनरुद्धार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं या क्या प्रयास किए गए हैं/किया जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क): देश में इस्पात संयंत्रों की राज्य-वार संख्या का ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ख) और (ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। तथापि, विगत तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों के इस्पात उत्पादन के लक्ष्यों/उपलब्धियों से संबंधित आंकड़े नीचे दिए गए हैं:-

(इकाई: 'एमटी)

वित्त वर्ष	**2018-19**		**2019-20**		**2020-21**	
	एमओयू	**वास्तविक**	**एमओयू**	**वास्तविक**	**एमओयू**	**वास्तविक**
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल)	16.73	16.27	17.27	16.16	16.40	15.22
राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. (आरआईएनएल)	5.50	5.00	5.80	4.45	5.40	4.16
स्रोत: सेल और आरआईएनएल						

सेल के संदर्भ में, निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में उपलब्धियों में कमी, बाजार मांग में मंदी तथा कोविड-19 लॉकडाउन से संबंधित प्रतिबंधों तथा आरआईएनएल के लिए क्षमता के विस्तार के बाद उत्पादन के स्थिरीकरण में लिए गए समय के कारण था।

(घ): उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में देश में इस्पात संयंत्रों की संख्या 887 है। इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण, निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों के लाभ/हानि से संबंधित आंकड़े/जानकारी सरकार द्वारा नहीं रखी जाती है। विगत दो वर्षों के दौरान इस्पात सीपीएसई के संयंत्रों को हुए लाभ/हानि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	**कर-पूर्व लाभ/हानि करोड़ रुपये में**	
	सेल	**आरआईएनएल**
2019-20	-616	-4288
2020-21	5975	-1036
स्रोत: सेल और आरआईएनएल		

(ङ) और (च): वर्ष 2021-22 के दौरान, उपलब्ध आंकड़ों (अनंतिम) के अनुसार, 65 संयंत्रों, जो देश में कच्चा इस्पात का विनिर्माण करते हैं, जिनकी 4.1 मिलियन टन की संचयी क्षमता है, ने शून्य उत्पादन की सूचना दी है।* इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण सरकार की भूमिका केवल सुविधाप्रदाता की है। इस्पात संयंत्रों को पुनर्जीवित/बंद करने के संबंध में निर्णय अलग-अलग इस्पात कंपनियों द्वारा वाणिज्यिक सोच-विचारों और बाजार के समीकरणों के आधार पर समय-समय पर लिए जाते हैं {*स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)}।

****

अनुलग्नक-I

वर्तमान में देश में राज्य-वार इस्पात संयंत्रों की संख्या

राज्य	इकाई
पूर्वी क्षेत्र	
असम	8
बिहार	12
झारखंड	25
मेघालय	5
ओडिशा	56
त्रिपुरा	1
पश्चिम बंगाल	43
पूर्वी क्षेत्र कुल	**150**
पश्चिमी क्षेत्र	
छत्तीसगढ़	95
दादर व नगर हवेली	14
दमन और दीव	3
गोवा	10
गुजरात	74
मध्य प्रदेश	13
महाराष्ट्र	59
पश्चिमी क्षेत्र कुल	**268**
उत्तरी क्षेत्र	
दिल्ली	2
हरियाणा	15
हिमाचल प्रदेश	25
जम्मू और कश्मीर	8
पंजाब	116
राजस्थान	28
उत्तर प्रदेश	38
उत्तराखंड	40
उत्तरी क्षेत्र कुल	**272**
दक्षिणी क्षेत्र	
आंध्र प्रदेश	20
कर्नाटक	26
केरल	27
पुदुचेरी	10
तमिलनाडु	87
तेलंगाना	27
दक्षिणी क्षेत्र कुल	**197**
सभी क्षेत्र कुल	**887**
स्रोत: जेपीसी	